

## मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार : लोकायुक्त की भूमिका

डॉ. ऋषि कुमार द्विवेदी

प्राचार्य, स्वामी नीलकण्ठ विधि महाविद्यालय, मैहर, जिला-सतना (म.प्र.)

### शोध-सारांश:

अधिकार एवं शक्तियाँ सुशासन को जन्म देती हैं परन्तु सम्पूर्ण अधिकार एवं अपरिभाषित शक्तियाँ भ्रष्टाचार को जन्म देती हैं, जिसके फलस्वरूप निरंकुशता तानाशाही व भ्रष्टाचारी संस्थाएँ जन्म लेती हैं अतः इन पर प्रभावी एवं कारगर नियंत्रण परम आवश्यक है। प्रशासनिक प्राधिकारियों को जो विवेकाधिकार व विशेषाधिकार विधियों के अन्तर्गत दिया गया है उससे भ्रष्टाचार के अवसर अधिक उत्पन्न होते हैं क्योंकि उन पर न तो प्रभावी नियंत्रण प्रशासन का होता है और न ही प्रभावी निरीक्षण। चूँकि पिछले दशक से भ्रष्टाचार के काफी मामले प्रकाश में आये हैं जिसमें सत्ता दुरुपयोग व भ्रष्टाचार के मामले में वृद्धि हुई है, इस कारण भ्रष्टाचार पर नियंत्रण हेतु, इसकी आवश्यकता अपरिहार्य हो गई है।

**मुख्य शब्द:** लोकायुक्त, शक्तियाँ, सुशासन, भ्रष्टाचार, प्रशासन, नियंत्रण आदि।

### संदर्भ स्रोत:

- [1]. Sawyer, Geoffry, Ombudsman (1986) Second ed. उद्धृत झा, रजनी रंजन 'ओम्बुड्समैन संस्था का विकास' लोकतंत्र समीक्षा, वर्ष-14 अंक 1-2 (जनवरी-जून) पृ0 180
- [2]. Adams John Clark, "In Quest of Ombudsman in the Mediterranean Area" the Annals of the American Academy of Political and Social Science, Vol. 377 (May-1968) P. 97-103
- [3]. Bexclus, Alfered, "The origin Nature and function of the Civil and Military Ombudsman in Sweden"-P- 11 Quoted in Jha Rajani Ranjan, op-cit-p-181
- [4]. Wennergren, Bertil, "The Rise and Growth of sweedish Insitutions for defending the Gitizens agains officails worngs" pp-6-7, Quated in Jha Rajani Ranjan.
- [5]. Dhawan, R.K. "Public Grievances and the Lokpal", New Delhi, Allied Publisher, (19814)p. 169
- [6]. A Person who acts as a spokesman or representative of another person or persons". See-Sharma, Gridhan, B., Implementation Ombudsman Plan in India. New Delhi, Ashish Public lishing House (1981) p-6